साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom Of Speech
RNI. NO. MPHIN/2015/76299
संपादक-नागेश नरवरिया
YP24 NEWS
जिले एवं तहसीलों में संवाददाता नियुक्त करना है संपर्क करें ...
संपर्क करे- 9425156055
वर्ष-10 अंक-26 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 07 अगस्त 2026 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ-08 मूल्य 2 रूपये

MPसरकार का बड़ा फैसलाः अब पटवारियों पर सीधे FIR नहीं होगी, पहले होगी प्रारंभिक जांच

पत्रकार बालक राम अहिरवार भोपाल 7 मध्यप्रदेश सरकार ने 03 अगस्त 2026 को पटवारियों को बड़ी राहत दी है। राजस्व विभाग ने सभी जिलों के कलेक्टरों को आदेश जारी कर कहा है कि अब पटवारियों द्वारा दिए गए प्रतिवेदन के आधार पर सीधे FIR दर्ज नहीं की जाएगी। पहले मामले की प्रारंभिक जांच होगी, उसके बाद ही आगे की कार्रवाई होगी।

लेखक एडवोकेट बी. आर. अहिरवार (विधिक सलाहकार नर्मदापुरम) 9827737665

आदेश में क्या कहा गया है?

राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. ई. रमेश कुमार द्वारा 03.08.2026 को जारी पत्र क्रमांक 604/स्टेनो/2026 में यह निर्देश दिए गए हैं।

पत्र में कहा गया है कि॰

1. समस्या क्या थी॰ मध्यप्रदेश पटवारी संघ ने शिकायत की थी कि वसीयत और अन्य राजस्व न्यायालयीन प्रकरणों में पटवारी सिर्फ ÷प्रतिवेदन÷ देते हैं। उसी प्रतिवेदन के आधार पर अधिकारी निर्णय लेते हैं। लेकिन कुछ मामलों में पटवारी पर ही सीधे FIR दर्ज कर दी जाती है।

2. सरकार का नया नियम॰ अब से अगर पटवारी द्वारा राजस्व न्यायालय में दिए गए प्रतिवेदन के आधार पर FIRदर्ज कराने का सवाल आता है, तो ÷प्रथमत॰ प्रारंभिक परीक्षण कराया जाए÷।

मतलब पहले जांच होगी कि पटवारी की गलती जानबूझकर थी या नहीं। जांच के बाद ही FIR या अन्य कार्रवाई की जाएगी।

आम जनता और पटवारियों के लिए इसका मतलब

पटवारियों के लिए राहत॰ अब किसी फाइल या रिपोर्ट में गलती होने पर तुरंत पुलिस केस नहीं होगा। पहले विभागीय जांच होगी। इससे पटवारियों को बेवजह कानूनी परेशानी से बचाव मिलेगा।

आम नागरिकों के लिए॰ अगर आपको लगता है कि पटवारी ने गलत रिपोर्ट दी है, तो भी तुरंत स्न्ढ्ढक्र नहीं होगी। पहले कलेक्टर/एसडीएम स्तर पर जांच होगी कि रिपोर्ट में गलती इरादतन थी या तकनीकी। अगर जानबूझकर धोखाधड़ी पाई गई तभी FIRहोगी।

सरकार ने ये आदेश क्यों दिया?- पटवारी संघ का कहना था कि जमीन, वसीयत और राजस्व के केस बहुत जटिल होते हैं। छोटी-छोटी तकनीकी गलती पर सीधे FIRसे पटवारी डर के कारण काम नहीं कर पाते। इससे राजस्व कामकाज प्रभावित हो रहा था।

निष्कर्ष- MP सरकार के इस आदेश से साफ है कि अब पटवारियों पर कार्रवाई से पहले ÷सुनवाई और जांच÷ जरूरी होगी। ये फैसला कर्मचारियों को सुरक्षा देने के साथ-साथ फर्जी शिकायतों पर भी लगाम लगाएगा।

नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में मध्यप्रदेश देश का अग्रणी राज्य : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दिल्ली में आयोजित 7वें अंतरराष्ट्रीय नवकरणीय ऊर्जा सम्मेलन में भाग लेते हुए कहा कि मध्यप्रदेश वर्ष 2030 तक देश के 500 गीगा वॉट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता के राष्ट्रीय लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य नवकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा भंडारण तथा हरित औद्योगिक विकास के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। म.प्र. आज देश के अग्रणी राज्यों में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्मेलन में शामिल होने के लिए एयरपोर्ट से दिल्ली मेट्रो की एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन के माध्यम से शिवाजी स्टेडियम तक यात्रा कर स्वच्छ एवं पर्यावरण-अनुकूल सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने का संदेश दिया। दिल्ली मेट्रो अपने संचालन में बड़े पैमाने पर सौर ऊर्जा का उपयोग करती है, इसलिए मुख्यमंत्री ने हरित ऊर्जा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के प्रतीक के रूप में मेट्रो से यात्रा की।

मध्यप्रदेश के ऊर्जा क्षेत्र की उपलब्धियों का दिया प्रेजेंटेशन

नई दिल्ली में आयोजित 7वें अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा सम्मेलन एवं प्रदर्शनी-2026 में मध्यप्रदेश ने स्वच्छ एवं नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में अपनी उपलब्धियों और भविष्य की कार्य योजना का

प्रभावी प्रेजेंटेशन दिया। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री प्रह्लाद जोशी, केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमार स्वामी तथा भूटान के ऊर्जा एवं प्राकृतिक संसाधन मंत्री एच.ई. ल्योनपो जेम त्शेरिंग तथा श्रीलंका के ऊर्जा मंत्री श्री अनुरा करुणाथिलका, अपर मुख्य सचिव नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा म.प्र. श्री मनु श्रीवास्तव सहित देश-विदेश के ऊर्जा क्षेत्र के विशेषज्ञ, नीति-निर्माता और उद्योग जगत के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश वर्ष 2030 तक 500 गीगावॉट तद्ध गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता के राष्ट्रीय लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पूर्ण प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य में निवेश-अनुकूल नीतियों, सुदृढ़ आधारभूत संरचना और पर्याप्त प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता से मध्यप्रदेश देश के अग्रणी ग्रीन एनर्जी हब के रूप में तेजी से उभर रहा है। सम्मेलन में ऊर्जा सुरक्षा, हरित प्रौद्योगिकी, नवाचार, निवेश और अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया गया। यह आयोजन स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में वैश्विक साझेदारी को मजबूत करने तथा सतत विकास के लक्ष्यों की दिशा में महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में मध्यप्रदेश की नवकरणीय ऊर्जा क्षमता 438 मेगावॉट से बढ़कर 11,000 मेगावाट हो गई है, जो लगभग 25 गुना वृद्धि है।

पिछले 2 वर्षों में राज्य सरकार ने नवकरणीय ऊर्जा, पंप्ड हाइड्रो ऊर्जा भंडारण तथा बायोमास नीतियां लागू कर निवेश और नवाचार को नई दिशा दी है। उन्होंने कहा कि 750 मेगावाट रीवा अल्ट्रा मेगा सौर परियोजना ने देश में पहली बार सौर ऊर्जा का टैरिफ कोयला आधारित विद्युत से भी कम स्थापित किया। इस परियोजना को वर्ल्ड बैंक ग्रुप प्रेसिडेन्ट्स अवार्ड फॉर एक्सीलेंस प्राप्त हुआ तथा इसकी केस स्टडी हावर्ड युनिवर्सिटी में पढ़ाई जाती है।

पति-पत्नी के बीच न्यायिक-पृथक्करण क्या होता है और यह तलाक से कैसे अलग होता है - पढ़िए Hindu Marriage Act, 1955

हिंदू संस्कृति में विवाह संस्कार होता है लेकिन तलाक का कोई विधान नहीं है। हिन्दू विवाह अधिनियम भी इस बात पर जोर देता है कि दंपति का संबंध बना रहे। परंतु कभी-कभी परिस्थितियां विषम हो जाती है। ऐसी स्थिति में जब पति-पत्नी में से किसी एक को ऐसा लगता है कि उसे कुछ समय के लिए अलग रहना चाहिए, लेकिन वह तलाक नहीं चाहते तब न्यायिक पृथक्करण के लिए आवेदन किया जाता है।

लेखक एडवोकेट बी. आर. अहिरवार (विधिक सलाहकार नर्मदापुरम) 9827737665

न्यायिक-पृथक्करण क्या है एवं क्या यह तलाक का आधार बन सकता है

जब एक पक्षकार की इच्छा पर न्यायालय पृथक्करण की डिक्री (आज्ञप्ति) पारित कर देता उसे न्यायिक पृथक्करण कहते हैं। ऐसे न्याय-निर्णय के बाद पति-पत्नी अलग-अलग रहने लगते हैं, एवं न्यायिक पृथक्करण, तलाक (विवाह विच्छेद) नहीं होता है लेकिन न्यायिक पृथक्करण, तलाक का आधार बन सकता है।

ज़हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा-10 की परिभाषा– इस धारा में न्यायिक पृथक्करण के आधारों का उल्लेख किया गया हैं, जिसके अंतर्गत पति या पत्नी में से कोई एक भी याचिका दायर कर न्यायिक-पृथक्करण की डिक्री प्राप्त कर सकता हैं।अगर याचिकाकर्ता विवाह-विच्छेद अर्थात तलाक के आधारों को सिद्ध नहीं कर पाता है और वे आधार न्यायिक पृथक्करण के लिए पर्याप्त है तब न्यायालय न्यायिक-पृथक्करण की डिक्री (प्रारंभिक न्याय-निर्णय) प्रदान कर सकता है। भले ही याचिकादाता ने ऐसी मांग नहीं भी की हो तब भी। अर्थात व्यक्ति तलाक से पहले पत्नी, पति से या पति,पत्नी से न्यायिक पृथक्करण द्वारा अलग-अलग रह सकते हैं और बाद में यही तलाक का आधार हो सकता है इस प्रकार तलाक एवं न्यायिक पृथक्करण दोनों अलग अलग होंगे।

पद्मश्री डॉ बाफना को 'छत्तीसगढ़ रत्न' सम्मान

राजनांदगाँव .

गत 2अगस्त को रायपुर मे ÷हेल्पिंग हैंडस फाउंडेशन द्वारा केंद्रीय मंत्री श्री तोखन साहू के मुख्य अतिथ्य में पद्मश्री डॉ. पुखराज बाफना को उनकी विशिष्ट सेवाओं के लिए छत्तीसगढ़ रत्न सम्मान से नवाज़ा गया. आदिवासी बच्चों के स्वास्थ्य पर शोध, पांच दशकों से अनवरत स्वास्थ्य स्तम्भ का लेखन, बच्चों, किशोरों के दमा पर योग के प्रभाव पर डॉक्टरेट, अंधत्व व कुपोषण निवारण पर जन सेवा, अनेको मेडिकल ग्रंथो में अध्याय, राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भागीदारी, तीन विश्व रिकार्ड्स धारक तथा पद्मश्री सहित अनेकों पुरस्कारों से अलंकृत डॉ बाफना को यह सम्मान मेकाहारा के खचाखच भरे सभा भवन में अनेक विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में प्रदान किया गया. उपरोक्त जानकारी संस्था के प्रदेश अध्यक्ष श्री अंकित अग्रवाल ने प्रेषित की.

नागरिकों की समस्याओं का मौके पर करें निराकरण हर शुक्रवार अधिकारी करेंगे क्षेत्रीय भ्रमण और जनसंवाद

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने कहा है कि भोपाल जिले में केंद्र एवं राज्य सरकार की महत्वपूर्ण परियोजनाओं की नियमित निगरानी और विभागों के बीच प्रभावी समन्वय सुनिश्चित करने के लिए डीएम प्रगति पोर्टल प्रारंभ किया गया है। पोर्टल के माध्यम से जिले की बड़ी अधोसंरचना परियोजनाओं, मेट्रो, एमएसएमई तथा अन्य विभागीय प्रोजेक्ट्स की प्रगति की सतत समीक्षा की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को परियोजनाओं से संबंधित जानकारी पोर्टल पर नियमित रूप से अद्यतन करने और निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर की अध्यक्षता में सोमवार को आयोजित समय-सीमा बैठक में अधिकारियों को डीएम प्रगति पोर्टल की कार्यप्रणाली के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। बताया गया कि पोर्टल पर सभी संबंधित विभागों के लिए पृथक लॉगिन आईडी एवं पासवर्ड बनाए जाएंगे। इसके माध्यम से परियोजनाओं की प्रगति, निर्धारित समय-सीमा तथा विभागीय समन्वय से संबंधित विषयों की निगरानी कलेक्टर द्वारा स्वयं की जाएगी। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय और संचालनालय स्वराज संस्थान, संस्कृति विभाग के निर्देशानुसार भोपाल जिले में हर घर तिरंगा अभियान-2026 का आयोजन 9 से 17 अगस्त तक किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को अपने घर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रेरित करने के साथ तिरंगे के प्रति सम्मान और राष्ट्रभक्ति की भावना को और अधिक सुदृढ़ करना है। अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। ग्रामीण क्षेत्रों के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत तथा शहरी क्षेत्रों के लिए आयुक्त, नगर पालिक निगम को नोडल अधिकारी बनाया गया है। अभियान के दौरान 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में तिरंगा रैली सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अभियान में सक्रिय सहभागिता करते हुए राष्ट्रीय ध्वज संहिता के अनुरूप सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराने की अपील की है।मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिले के सभी एडीएम, एसडीएम,

जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों, राजस्व अधिकारियों तथा जिला अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान राजस्व विभाग से संबंधित कार्यों, लोक सेवा गारंटी के प्रकरणों और नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई की जाए। पात्र नागरिकों के आवेदनों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करना संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी है। निर्देश दिए कि 7 अगस्त 2026 प्रत्येक शुक्रवार अधिकारी अपने-अपने कार्यक्षेत्र में अनिवार्य रूप से भ्रमण कर निरीक्षण एवं जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित करें। अधिकारी ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों, दूरस्थ ग्रामों, शासकीय संस्थानों तथा निर्माणाधीन विकास कार्यों का भौतिक निरीक्षण करेंगे। भ्रमण के दौरान जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं का यथासंभव मौके पर ही निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा।उन्होंने सभी अधिकारियों को आगामी सप्ताह का भ्रमण कार्यक्रम पहले से निर्धारित कर जिला प्रशासन एवं जिला पंचायत कार्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के दौरान मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, जनसुनवाई, लोक सेवा गारंटी अधिनियम, राजस्व प्रकरण, किसान आईडी, आयुष्मान भारत कार्ड, समग्र ई-केवाईसी, प्रधानमंत्री आवास योजना और जल जीवन मिशन सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की जाएगी। अधिकारी भ्रमण के दौरान आंगनवाड़ी केंद्रों, विद्यालयों, स्वास्थ्य संस्थानों और पेयजल व्यवस्थाओं का निरीक्षण करेंगे। साथ ही विभागीय निर्माण कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता का भी भौतिक सत्यापन किया जाएगा। निरीक्षण में पाई गई कमियों को दूर करने के लिए संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा में कार्रवाई सुनिश्चित करनी होगी। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि प्रत्येक शुक्रवार किए गए भ्रमण का संक्षिप्त प्रतिवेदन, निरीक्षण के फोटोग्राफ तथा समस्याओं के निराकरण के लिए की गई कार्रवाई का विवरण उसी दिन अथवा अगले कार्यदिवस की सुबह तक कलेक्टर कार्यालय एवं जिला पंचायत कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने सभी अधिकारियों को शासन के निर्देशों का गंभीरता और कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

तेंदुआ शिकार गिरोह का भंडाफोड़,तेंदुओं के अवशेष बरामद, सात आरोपी गिरफ्तार

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स (एसटीएसएफ) ने एक संगठित अंतर्राज्यीय तेंदुआ शिकार एवं वन्यजीव अंग तस्करी गिरोह का पर्दाफ़ाश किया है। एसटीएसएफ की कार्रवाई में 7 आरोपियों को श्योपुर-मुरैना क्षेत्र में गिरफ्तार किया। मामले की छानबीन में जुटे एसटीएसएफ ने 23 जुलाई 2026 को आगरा में वन विभाग और उत्तर प्रदेश पुलिस की संयुक्त टीम के साथ संयुक्त कार्रवाई में 4 कथित वन्यजीव तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 10 तेंदुओं की खालें तथा दूसरे वन्यजीव अवयव बरामद किए। प्रारंभिक जांच में इस अंतर्राज्यीय गिरोह के तार मध्यप्रदेश से जुड़े पाए गए। इसके बाद एसटीएसएफ ने विशेष जांच दल गठित कर आगरा तथा मध्यप्रदेश के उत्तरी जिलों में व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया। 30 जुलाई को एसटीएसएफ, कूनो वन्यजीव वनमंडल, श्योपुर वनमंडल और मुरैना वनमंडल की संयुक्त टीमों ने आरोपियों की निशानदेही पर श्योपुर और मुरैना जिले के विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की। इस दौरान तेंदुओं की बड़ी मात्रा में हड्डियां और अन्य अवशेष बरामद किए गए। इस मामले में 2 वन अपराध प्रकरण

दर्ज किए गये हैं। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने 10 तेंदुओं के शिकार की बात स्वीकार की। जांच में सामने आया कि इनमें से 6 तेंदुओं का शिकार कूनो वन्यजीव वनमंडल, दो श्योपुर वनमंडल तथा दो चंबल अभयारण्य (मुरैना वनमंडल) में किया गया था। आरोपियों से शिकार में प्रयुक्त लेग-होल्ड ट्रैप (फंदे) भी बरामद किए गए, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि गिरोह संगठित तरीके से वन्यजीव अपराधों में संलिप्त था। एसटीएसएफ एसटीएसएफ ने इकराम पुत्र मनीराम आदिवासी, लज्जाराम पुत्र विद्या उर्फ पन्नानाथ, गोपाल पुत्र कारू आदिवासी, महेश पुत्र जरदान आदिवासी, प्रकाश पुत्र होतम आदिवासी, हुब्बा पुत्र दीवान आदिवासी (सभी निवासी ग्राम झार बरोदा, तहसील विजयपुर, जिला श्योपुर) तथा गब्बर पुत्र सरूपा, निवासी ग्राम हंसई, जिला मुरैना (जिसे आगरा न्यायालय की अभिरक्षा से गिरफ्तार किया गया) को गिरफ्तार गिया है। गिरफ्तार सभी आरोपियों को एसटीएसएफ के लिए अधिकृत विशेष न्यायालय, शिवपुरी के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण में रिमांड की कार्रवाई एवं विस्तृत विवेचना जारी है। यह कार्रवाई महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि श्योपुर-विजयपुर और कूनो परिक्षेत्र शिकार की कई घटनाएं में सामने आई हैं। यही क्षेत्र कुनो राष्ट्रीय उद्यान का हिस्सा है, जहां देश की महत्वाकांक्षी %प्रोजेक्ट चीता% योजना के अंतर्गत अफ्रीकी चीतों का पुनर्वास किया गया है।

बॉस के नाम से आने वाले हर मैसेज,निर्देश पर न करें तुरंत भरोसा साइबर सुरक्षा एडवाइज़री जारी

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

आजकल स्कैमर अनजान नंबर से नहीं, बल्कि आपके किसी परिचित या वरिष्ठ अधिकारी (बॉस) का रूप धारण करके आप पर हमला करते है इसे बॉस स्कैम या 'CEO Impersonation Scam' कहा जाता है। हाल ही में बॉस स्कैम कई गंभीर मामले दर्ज किए गए हैं, जहाँ कर्मचारियों को उनके बॉस के नाम से धोखा दिया गया। स्कैम की कार्यप्रणाली प्रक्रिया स्कैममर बहुत ही चालाकी से मनोवैज्ञानिक दबाव बनाते हैं। इसे समझें ताकि आप शिकार न बनें अनजान नंबर से ज़िप फ़ाइल के रूप में आपके पास एक मैसेज आता है जिसमें एक ज़िप फ़ाइल संलग्न होती है। आरबीआई का डर मैसेज में दावा किया जाता है कि आरबीआई ने आपके बैंक खातों में कुछ %संदिग्ध लेनदेन पाए हैं। फॉरवर्ड करने का निर्देश आपको डराया जाता है कि यदि आपने यह फाइल तुरंत अपने चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर या चार्टर्ड अकाउंटेंट को वेरिफिकेशन के लिए फॉरवर्ड नहीं की, तो आपके अकाउंट फ्रीज़ हो सकते हैं। व्हाट्सएप का एक्सेस खोना जाना जैसे ही आप उस

संदिग्ध ज़िप फ़ाइल को खोलते हैं या फॉरवर्ड करते हैं, स्कैममर को आपके व्हाट्सएप का एक्सेस मिल जाता हैं। वित्तीय धोखाधड़ी व्हाट्सएप का नियंत्रण मिलते ही स्कैमर बॉस बनकर कंपनी के अन्य कर्मचारियों या अकाउंट्स टीम को %अर्जेंट पेमेंट% के मैसेज भेजना शुरू कर देता है। स्कैम की पहचान के मुख्य संकेत भूलकर भी इन संकेतों को नजरअंदाज न करें, ये आपकी सुरक्षा के लिए चेतावनी हैं अकाउंट्स संभालने वालो पर निशाना यदि आप कंपनी में छ्र्र्व्ह, छ्र हैं या पैसों का लेनदेन संभालते हैं, तो आप स्कैमर्स के प्राथमिक निशाने पर हैं। कान्ट्रैक्ट का बहाना और जल्दबाजी स्कैमर अक्सर मैसेज में लिखता है कि हमारा कॉन्ट्रैक्ट पास होने वाला है और इसके लिए तुरंत पैसों की जरूरत हैं। यही अर्जेंसी% उनका सबसे बड़ा हथियार है। कॉल न उठाना स्कैममर बहाना बनाएगा कि वह मीटिंग में है, इसलिए कॉल पर बात नहीं कर सकता और केवल मैसेज के जरिए ही पैसे ट्रांसफर करने का दबाव बनाएगा। सुरक्षा और बचाव के उपाय सुरक्षित रहने के लिए अपनी चेकलिस्ट में इन बातों को शामिल करें कॉल करके पुष्टि करें किसी भी वित्तीय लेनदेन या फाइल फॉरवर्ड करने की रिक्वेस्ट आने पर, अपने बॉस को उनके वास्तविक नंबर पर कॉल करें और जानकारी का सत्यापन जरूर करें। जल्दबाजी में निर्णय न लें स्कैमर द्वारा बनाए गए दबाव में आकर घबराएं नहीं। अर्जेंट पेमेंट की मांग होने पर हमेशा संदेह करें। अज्ञात फाइल्स से दूरी किसी भी अनजान नंबर से आई ज़िप फाइल या लिंक को न खोलें और न ही किसी को फॉरवर्ड करें। बॉस स्कैम से रहें सावधान।

ज्ञापन के बाद भी नहीं जागा स्वास्थ्य विभाग, आज भी डॉक्टर विहीन है अमझोर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र

कैलाश कुमार अहिरवार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

शहडोल। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत, शहडोल द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अमझोर में स्थायी चिकित्सक की नियुक्ति एवं स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की मांग को लेकर संभागायुक्त को ज्ञापन सौंपे जाने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। विभागीय उदासीनता के कारण क्षेत्र के नागरिकों में भारी असंतोष एवं निराशा का माहौल है।

संगठन ने बताया कि अमझोर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लंबे समय से स्थायी चिकित्सक के बिना संचालित हो रहा है। इसका सीधा असर क्षेत्र के हजारों जनजातीय एवं ग्रामीण परिवारों पर पड़ रहा है, जिन्हें समय पर समुचित चिकित्सा

सुविधा उपलब्ध नहीं हो पा रही है। गंभीर अथवा आपातकालीन स्थिति में मरीजों को शहडोल सहित अन्य दूरस्थ अस्पतालों में रेफर करना पड़ता है, जिससे उपचार में अनावश्यक विलंब होता है तथा मरीजों और उनके परिजनों पर अतिरिक्त आर्थिक, शारीरिक एवं मानसिक बोझ पड़ता है।

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत, शहडोल का कहना है कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक एवं मानवीय अधिकार हैं। इसके बावजूद इतने बड़े ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्र का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र आज भी डॉक्टर विहीन होना शासन एवं स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। संगठन का कहना है कि यदि समय रहते आवश्यक कदम नहीं उठाए गए तो क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं का संकट और अधिक गंभीर हो सकता है।

संगठन ने जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग से मांग की है कि जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अमझोर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में तत्काल स्थायी चिकित्सक की नियुक्ति की जाए। साथ ही आवश्यक चिकित्सा स्टाफ, दवाइयों एवं अन्य स्वास्थ्य संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित कर स्वास्थ्य सेवाओं को नियमित, प्रभावी एवं जनोन्मुख बनाया जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को अपने ही क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध उपचार प्राप्त हो सके।

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत, शहडोल के जिलाध्यक्ष श्री अनंत पांडेय ने कहा कि यदि शीघ्र प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो संगठन जनहित में लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक माध्यमों से व्यापक जनआंदोलन करने के लिए बाध्य होगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग की होगी।

अमरकंटक नगर परिषद ने नुक्कड़ नाटक और कठपुतली शो के माध्यम से दिया स्वच्छता का संदेश

कचरा पृथक्करण एवं वैज्ञानिक अपशिष्ट प्रबंधन के लिए नागरिकों को किया जागरूक

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

मां नर्मदा की उद्गम स्थली / पवित्र नगरी अमरकंटक में स्वच्छता सर्वेक्षण-2026 के अंतर्गत गुरुवार को नगर परिषद द्वारा व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया । अभियान के तहत नगर के प्रमुख चौराहों , बाजार क्षेत्रों एवं विभिन्न वार्डों में नुक्कड़ नाटक और कठपुतली शो का आयोजन कर नागरिकों को स्वच्छता , कचरा पृथक्करण एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के प्रति जागरूक किया गया ।

कार्यक्रम में कलाकारों ने मनोरंजक एवं संदेशपरक प्रस्तुतियों के माध्यम से स्वच्छता का महत्व समझाते हुए घर-घर कचरे के पृथक्करण की आवश्यकता पर जोर दिया । नुक्कड़ नाटक और कठपुतली शो के जरिए बताया गया कि कचरे का सही वर्गीकरण न केवल पर्यावरण संरक्षण में सहायक है बल्कि नगर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है ।

जनजागरूकता कार्यक्रम में नागरिकों को हरे , नीले एवं काले डस्टबिन के उपयोग की जानकारी दी गई । बताया गया कि हरे डस्टबिन में गीला एवं जैविक कचरा जैसे बचा हुआ भोजन , सब्जियों एवं फलों के छिलके , फूल-पत्तियां तथा बगीचे का कचरा डाला जाए । वहीं नीले डस्टबिन में प्लास्टिक , कागज , गत्ता , कांच एवं धातु जैसी सूखी सामग्री रखी जाए । इसके अलावा बैटरियां , खराब बल्ब , ट्यूबलाइट , एक्सपायरी दवाइयां , पेंट के डिब्बे एवं अन्य रासायनिक अपशिष्टों को काले डस्टबिन में अलग से रखने की अपील की गई ।

अमरकंटक नगर परिषद के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने नागरिकों से आग्रह किया कि वे कचरे को निर्धारित श्रेणियों में अलग-अलग एकत्रित कर परिषद के कचरा संग्रहण वाहनों को ही सौंपें तथा सार्वजनिक स्थानों , सड़कों और नालियों में कचरा फेंकने से बचें । अधिकारियों ने कहा कि स्वच्छता केवल नगर परिषद की जिम्मेदारी नहीं , बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य भी है ।

अभियान के दौरान लोगों को यह संदेश भी दिया गया कि जनभागीदारी से ही स्वच्छता का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है । यदि सभी नागरिक स्वच्छता के नियमों का पालन करते हुए कचरे का उचित प्रबंधन करें , तो अमरकंटक को स्वच्छ , सुंदर और आदर्श नगर के रूप में स्थापित किया जा सकता है ।

नगर परिषद ने स्वच्छता सर्वेक्षण-2026 में अमरकंटक को उत्कृष्ट स्थान दिलाने के लिए नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए ÷स्वच्छ अमरकंटक , स्वस्थ अमरकंटक÷ के संकल्प को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान किया

एसडीएम ने आंगनबाड़ी केंद्र एवं उचित मूल्य की दुकान का किया निरीक्षण

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

अनुविभागीय अधिकारी एमपी नगर अर्चना शर्मा ने आंगनबाड़ी केंद्र 783,782 एवं 784 का निरीक्षण किया। जिसमें केंद्र क्रमांक - 783 में उपस्थित गर्भवती माताओं एवं बच्चों से चर्चा की। निरीक्षण के दौरान टीकाकरण का कार्य स्वास्थ्य विभाग द्वारा किया जा रहा था। एएनएम से टीकाकरण समय पर संपादित करने एवं बच्चों को आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही एक अति गंभीर कुपोषित बच्ची उपस्थित थी, उनकी काउंसलिंग की गई। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा नियमित साप्ताहिक वजन एवं ऊंचाई लिया जाकर पोषण ट्रैक्टर में दर्ज किया जा रहा है जिसका अवलोकन पोषण ट्रैकर ऐप में किया गया। केंद्र में वाटर फिल्टर एवं एलइडी टीबी लगी हुई थी। आंगनबाड़ी केंद्र 783 को अनुविभागीय अधिकारी द्वारा गोद लेकर सभी कुपोषित बच्चों को स्वस्थ करने का बीड़ा उठाया गया है, इसके पश्चात आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 782 जो किराए के भवन में संचालित थी को परियोजना अधिकारी बाणगंगा के प्रस्ताव अनुसार स्कूल में शिफ्ट करवाने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी से चर्चा की गई एवं 17 किराए के आंगनबाड़ी भवनों को शीघ्र ही शिफ्ट करने की कार्यवाही के निर्देश शिक्षा विभाग को दिए गए हैं अनुविभागीय अधिकारी एवं टीम द्वारा शक्ति साकेत उचित मूल्य की दुकान का निरीक्षण किया। जिसमें उनके द्वारा हितग्राहियों को वितरण किया जा रहे गेहूं, चावल एवं अन्य सामग्री जो उचित मूल्य की दुकान से प्राप्त होती है वह समय पर प्राप्त हो, के निर्देश दिए एवं दुकान से जुड़े हुए स्व-सहायता समूह को प्राथमिकता के आधार पर गेहूं एवं चावल समय पर उपलब्ध हो, यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

करौली शंकर दास जी महाराज जा जन्मोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर- श्री करौली शंकर महादेव धाम में विगत दिनों श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर पूर्ण गुरु श्री करौली शंकर दास जी महाराज का 62वां जन्मोत्सव श्रद्धा,भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया,इस अवसर पर देश के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ अमेरिका, यूरोप एवं चेक गणराज्य सहित अनेक देशों से आए श्रद्धालुओं ने गुरुदेव का आशीर्वाद प्राप्त किया,इसी आयोजन के साथ 29 जुलाई से प्रारंभ हुए चार दिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव 2026 का समापन कार्यक्रम भी संपन्न हुआ।

आयोजन के दौरान गुरु पूजन,वैदिक मंत्रोच्चार, ध्यान साधना, आध्यात्मिक प्रवचन तथा भक्तों के लिए विशेष आशीर्वाद सत्र आयोजित किए गए,पूरे धाम परिसर में भक्ति,अनुशासन और आध्यात्मिक वातावरण देखने को मिला,हजारों श्रद्धालुओं ने विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों में सहभागिता की और प्रसाद ग्रहण किया।

अपने संबोधन में पूर्ण गुरु श्री करौली शंकर दास जी महाराज ने कहा कि मानव जीवन का वास्तविक उद्देश्य आत्मबोध,आंतरिक शांति और आध्यात्मिक उन्नति है।

उन्होंने कहा कि ध्यान, साधना और दृढ़ संकल्प के माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है तथा मानसिक संतुलन, आत्मविश्वास और आध्यात्मिक जागरूकता को विकसित कर सकता है,श्री करौली शंकर दास जी महाराज के अनुयायियों के अनुसार, वे प्राचीन भारतीय आध्यात्मिक परंपराओं को आधुनिक संदर्भ में समझाने का प्रयास करते हैं,उनके प्रवचनों में *'स्मृति महाविज्ञान' तथा *'शिव तंत्र' जैसे विषयों पर विशेष रूप से चर्चा की जाती है,जिनका उद्देश्य व्यक्ति को स्वयं के भीतर परिवर्तन और आत्मचिंतन की दिशा में प्रेरित करना है।

धाम में संचालित तंत्र क्रिया योग साधना पद्धति के माध्यम से गृहस्थ जीवन जीने वाले साधकों को भी नियमित ध्यान, योग एवं वैदिक साधना से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। संस्था का कहना है कि इसका उद्देश्य लोगों को आध्यात्मिक अनुशासन,आत्मविकास और संतुलित जीवनशैली के लिए प्रेरित करना है।

पिछले कुछ वर्षों में श्री करौली शंकर महादेव धाम से जुड़े आध्यात्मिक कार्यक्रमों में देश-विदेश से श्रद्धालुओं की भागीदारी लगातार बढ़ी है।

संस्था के अनुसार, ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यमों से लाखों लोग नियमित रूप से प्रवचनों,ध्यान सत्रों और आध्यात्मिक कार्यक्रमों से जुड़ रहे हैं। हाल ही में श्री करौली शंकर दास जी महाराज को भारतीय आध्यात्मिक परंपरा,समाजसेवा तथा सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए 'भारत गौरव सम्मान' से भी सम्मानित किया गया। संस्था का कहना है कि उनका उद्देश्य भारतीय आध्यात्मिक ज्ञान को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना और समाज में सकारात्मक परिवर्तन की भावना को मजबूत करना है।

चार दिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव के समापन के साथ श्रद्धालुओं ने गुरुदेव का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा आगामी आध्यात्मिक कार्यक्रमों में पुनः सम्मिलित होने का संकल्प व्यक्त किया। आयोजन के समापन पर सेवा कार्य एवं प्रसाद वितरण भी संपन्न हुआ।

उक्ताशय की जानकारी करौली शंकर महादेव धाम से जुड़े दरबार के मंत्र दीक्षित भक्त हनी चौरसिया एवं राजेश सिंह ने संयुक्त रूप से दिया

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र उदयपुरा बना दादागिरी और रंगदारी का अड्डा

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

उदयपुरा - उदयपुरा सामुदायिक स्वास्थ्य. केंद्र रामभरोसे चल रहा है हाल ही में इलाज के लिए अंकित तिनगुरिया निवासी गायवयान अपनी छोटी बहन को लेकर अस्पताल पहुंचे वहां पर संबंधित स्टाफ द्वारा उनसे बोला गया की ओपीडी का टाइम नहीं है अभी आप क्यों आए हो आलम यह है कि अब बीमारी भी समय देखकर आएगी और मरीज को अस्पताल के समय के अनुसार ही बीमार होना होगा इस विषय में जब संबंधित व्यक्ति ने बी.एम.ओ से बात की तो वह बोले कि आप कहीं बाहर इलाज करा लीजिए जो प्रशासन की व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहा है डॉक्टर गोयल का कहना है की अस्पताल की व्यवस्थाएं में धीरे-धीरे सुधार लाने की कोशिश कर रहा हूं डॉक्टर गोयल के के कथन के अनुसार वह व्यवस्थाएं संभालने में असमर्थ है अब ऐसे में मरीज जाए तो जाए कहां बड़ा सवाल प्रशासन के सामने खड़ा है जाहिर सी बात है जो लोग समर्थ हैं वह कहीं भी इलाज कर लेंगे पर जो लोग असमर्थ हैं वह कहां इलाज कराए बगैर इलाज के जान जाने के खौफनाक मंजर से लोग घबराए हुए हैं आमजन यह चाहते हैं कि जीवन देने वाली जगह जहां लोगों को जीवन दान दिया जाता है वहां की व्यवस्थाएं सुचारू रूप से व्यवस्थित रहे तो ज्यादा बेहतर होगा,आम जन का ये मानना है कि प्रमोद गोयल बी.एम.ओ के आने के बाद से अस्पताल की ऐसी हालत हो रही है दुर्दशा, पर जिम्मेदार कौन आफीसर खुद अक्सर ड्यूटी से गैरहाजिर रहते हैं.. . स्वाभाविक है कि जब मुखिया ही अपनी ड्यूटी के प्रति लापरवाह रहेगा तो समूचे स्टाफ को भी ड्यूटी के प्रति लापरवाही बरतना स्वाभाविक हो जाता है.... विशेष उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डाक्टर मोहन यादव ने उदयपुरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को सिविल अस्पताल में उन्नत करने की घोषणा भी कर दी है.. लेकिन इस अस्पताल के हालात दिनोंदिन बद से बदतर होते जा रहे हैं... यदि यह कहा जाये कि उदयपुरा का अस्पताल ÷अंधेर नगरी.. चौपट राजा÷की उक्ति का अनुसरण कर रहा है तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी..... नगर की जनता की मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डाक्टर मोहन यादव और उदयपुरा के विधायक एवं मध्यप्रदेश के स्वास्थ्य राज्यमंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल से गुजारिश है कि वे अबिलम्ब इस अस्पताल को दुर्दशा के मकडजाल से मुक्ति दिलायेंगे...

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार प्रकोष्ठकी प्रदेश स्तरीय बैठक कांग्रेस कार्यालय में 8 अगस्त को मूलचन्द मेधोनिया होंगे सम्मलित

अमर शहीद वीर मनीराम अहिरवार जी के सम्मान की होगी विशेष रूप से चर्चा

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस का भोपाल के प्रदेश कार्यालय में 8 अगस्त 2026 को प्रातः 11.30 बजे शिवाजी नगर स्थित प्रदेश स्तरीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार प्रकोष्ठ के सभी प्रदेश पदाधिकारियों जिला अध्यक्ष गणों की विशेष बैठक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अजय सीतलानी व कार्या. अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह के निर्देश पर बुलाई गई है। जिसमें सभी प्रदेश के प्रकोष्ठ पदाधिकारी संगठनात्मक स्थिति व विस्तार पर चर्चा कर निर्णय लेंगे।

इस बैठक में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष मूलचन्द मेधोनिया जिला नरसिंहपुर विशेष रूप से उपस्थित होकर मध्यप्रदेश के एक मात्र अनुसूचित जाति के सन 1942 के महात्मा गाँधी जी के आजादी आंदोलन में अपनी जान की बाजी लगाकर चीचली गोंडवाना राजमहल से अंग्रेजों से लड़ने वाले अमर शहीद वीर मनीराम अहिरवार जी के सम्मान की बात विस्तार पूर्वक उनके सुपौत्र मूलचन्द मेधोनिया रखेंगे। तथा इसी माह में 23 अगस्त को उनका शौर्य दिवस भी है। उनके बलिदान पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के कार्यक्रम पर चर्चा होगी।

प्रदेश के सभी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार प्रकोष्ठ पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष एवं नगर तहसील के सदस्यों को मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के समस्त प्रकोष्ठों/विभागों के प्रदेश प्रभारीडां. महेन्द्र सिंह चौहान सम्बोधित करेंगे। तथा, बैठक उपरांत जो भी चर्चा पर निर्णय होगा उसी तरह आगे की रणनीतितैयार कर संगठन की मजबूती के लिए काम किया जायेगा। मध्यप्रदेश के सभी प्रदेश भर के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार के सदस्यों को एक दिन पूर्व 7 अगस्त को भोपाल में आमंत्रित किया गया है। जिनके ठहरने व भोजनसहित रात्रि विश्राम की व्यवस्था गांधी भवन भोपाल रखी गई है। कांग्रेस स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष मूलचन्द मेधोनिया प्रदेश के आने वाले सभी कांग्रेस परिवार के बलिदान देने वाले सभी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार जनों का स्वागत गांधी भवन भोपाल में करेंगे।

थाना जयसिंहनगर पुलिस द्वारा किया गया हत्या का खुलासा

कैलाश कुमार अहिरवार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

शहडोल/जयसिंहनगर - पुलिस अधीक्षक शहडोल डॉ. संजय कुमार अग्रवाल के निर्देशन में गंभीर अपराधों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए थाना जयसिंहनगर पुलिस ने माता-पिता के साथ मारपीट कर पिता की मृत्यु कारित करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है।

प्रकरण में फरियादिया की रिपोर्ट पर थाना जयसिंहनगर में अपराध धारा बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। जांच के दौरान आरोपी संजू बैगा उर्फ गुली निवासी ग्राम देवरा बड़काटोला द्वारा अपनी माता एवं पिता के साथ डंडे से मारपीट किए जाने से पिता की उपचार के दौरान मृत्यु होना पाया गया।

प्रकरण में त्वरित कार्यवाही करते हुए थाना जयसिंहनगर पुलिस ने दिनांक 05 अगस्त 2026 को आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

सराहनयी भूमिका

उक्त कार्यवाही निरीक्षक अजय कुमार थाना प्रभारी जयसिंहनगर के नेतृत्व में, सउनि. प्रमोद कुमार अहिरवार, सउनि. सुरेश कुमार अहिररवा, प्रआर. बांके सिंह, आर. नीरज शुक्ला एवं खुशबू लोधी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जिला एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष अजय रघुवंशी द्वारा छात्रसंघ चुनाव एवं सदस्यता अभियान को लेकर शुक्रवार को प्रेस वार्ता आयोजित की गई

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

रायसेन द्व जिला रायसेन में प्रेस वार्ता में अजय रघुवंशी ने कहा कि एनएसयूआई छात्र हितों की रक्षा, शिक्षा के अधिकार और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने अधिक से अधिक विद्यार्थियों को संगठन से जोड़ने के लिए सदस्यता अभियान को गति देने का आह्वान किया।

उन्होंने सरकार से मांग की कि आगामी छात्रसंघ चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से कराए जाएं, ताकि विद्यार्थियों को अपने प्रतिनिधि चुनने का लोकतांत्रिक अधिकार मिल सके। इस दौरान संगठन की आगामी रणनीति, पारदर्शी लोकतांत्रिक प्रक्रिया और विद्यार्थियों की समस्याओं को मजबूती से उठाने की प्रतिबद्धता भी दोहराई गई।

एनएसयूआई ने कहा कि संगठन भविष्य में भी छात्र हित, शिक्षा अधिकार और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष करता रहेगा।

आंगनबाड़ी का ताला तोड़कर चोरी करने वाले 3 आरोपी गिरफ्तार, चोरी किया बर्तन, ताला तोड़ने के औजार जप्त

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर कोतवाली अनूपपुर पुलिस द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्र का रात्रि में ताला तोड़कर चोरी करने वाले 03 आरोपियो को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है।

आंगनबाड़ी केन्द्र भरियाटोला सकरा की कार्यकर्ता मंती बैगा पिता मुन्ना बैगा उम्र 31 वर्ष निवासी पटेल मोहल्ला सकरा थाना कोतवाली अनूपपुर ने 25-27 जुलाई 2026 के बीच की रात्रि में आंगनबाड़ी केन्द्र में लगे शासकीय एल.ई.डी. टी.वी. एल.जी. कंपनी की, पानी के लिए लगाये गये शासकीय आरो तथा बर्तन व वजन करने की मशीन को कोई अज्ञात चोर चोरी कर के ले गया है। रिपोर्ट करने पर थाना कोतवाली अनूपपुर में अपराध क्रमांक 454/26 धारा 331(4), 305(द्) बी.एन.एस. का पंजीबद्ध कर विवेचना किया गया। विवेचना दौरान संदेहियो की तलास पतारसी की गई विश्वसनीय मुखबिरो की सूचना पर थाना प्रभारी कोतवाली पुलिस की टीम के द्वारा आरोपी गोलू उर्फ आकाश बैगा पिता बसन्त बैगा उम्र 23 वर्ष निवासी ग्राम पटनाकला थाना चचाई जिला अनूपपुर, अजय बैगा पिता समयलाल बैगा उम्र 19 वर्ष निवासी ग्राम पटनाकला थाना चचाई जिला अनूपपुर, दद्दा बैगा पिता गंगा बैगा उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम पटनाकला थाना चचाई जिला अनूपपुर को गिरफ्तार कर आरोपीगणो से चोरी गया 02 नग स्टील की थाली, 02 चम्मच, 01 स्टील का डिब्बा तथा घटना में ताला तोड़ने में प्रयुक्त लोहे की राड व घटना में प्रयुक्त दो मोटर सायकल MP 18 ZE 6489, MP 18ZC 8848 को जप्त किया गया है। पूछताछ पर आरोपीगणो द्वारा बताया गया कि अपने अन्य साथी सानू बैगा, विकाश उर्फ विक्कू बैगा व मिथुन चौधरी के साथ मिलकर दो मोटर सायकलो से आंगनबाड़ी केन्द्र सकरा पहुंचकर लोहे की राड से आंगनबाड़ी केन्द्र का ताला तोड़कर टी.वी. आरो, वजन करने की मशीन व बर्तन चोरी करना बताये तथा टी.वी., आरो व वजन करने की मशीन फरार हमारे सहआरोपियो के पास होना बताये। प्रकरण के अन्य आरोपियो सानू बैगा, विकाश उर्फ विक्कू बैगा व मिथुन चौधरी की तलाश की जा रही है। जल्द ही अन्य आरोपियो को गिरफ्तार कर बाकी चोरी का सामान बरामद किये जावेंगें।

श्रवण सोनी के निधन से जयसिंहनगर मे शोक की लहर

कैलाश कुमार अहिरवार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

जयसिंहनगर - शहडोल जिले के जयसिंहनगर मे समाजसेवी के रूप मे प्रसिद्ध रहे श्रवन सोनी का लम्बी बीमारी के बाद निधन हो गया द्य जयसिंहनगर एवं आसपास के क्षेत्र मे अपनी सामाजिक दायित्व के निर्वाहन, मिलनसार व्यक्तित्व के कारण हर व्यक्ति से जुड़ाव रखने वाले श्रवण सोनी को लोग क्षेत्र मे मेछा सोनी के नाम से जानते थे बच्चो से लेकर बुजर्गो के मन मे अपने स्वभाव के कारण अलग पहचान रखने वाले श्रवण सोनी पिछले कुछ वर्षो से गंभीर बीमारीयों से लड़ रहे थे पिछले कुछ दिनों से टायफाइड के कारण अचानक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओ के लिए उपचार हेतु छत्तीसगढ़ के रायपुर मे प्राइवेट अस्पताल मे इलाज के दौरान बीते मंगलवार को उनका निधन हो गया द्य उनके निधन की सूचना के बाद जयसिंहनगर क्षेत्र मे शोक की लहर दौड़ गई द्य श्रवण सोनी का अंतिम संस्कार बुधवार को जयसिंहनगर मे किया गया जहाँ अंतिम संस्कार की प्रक्रिया मे सैंकड़ो की संख्या मे जयसिंहनगर के व्यापारीयों सहित उनके शुभचिंतको ने उपस्थित होकर उन्हें श्रद्धांजलि दी द्य

स्मृति मे हुआ श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

श्रवण सोनी जयसिंहनगर बस स्टैंड मे संचालित मातृछाया ज्वेलर्स के संचालक रहे है द्य अपने बेबाक, दिलेर एवं मिलनसार स्वभाव के कारण बस स्टैंड जयसिंहनगर मे अपनी अलग पहचान रखने वाले श्रवण सोनी उर्फ़ मेछा सोनी के निधन के बाद बाजार मे शोक की लहर व्यप्त कर गया द्य निधन की सूचना के बाद जयसिंहनगर के व्यपारियों एवं नागरिकों ने बस स्टैंड जयसिंहनगर मे श्रवण सोनी से जुडी स्मृतियों का स्मरण करते हुए उनके छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की एवं मौन धारण कर भगवान से उनकी आत्मा को शन्ति प्रदान करते हुए अपने श्री चरणों मे जगह देने की कामना की साथ ही श्रवण सोनी के परिजनों को इस ब्रजघात को सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की द्य

माय भारत केन्द्र से जुड़े युवाओं ने सुना प्रधानमंत्री श्री मोदी का वर्चुअल संबोधन

ग्वालियर में नशा मुक्त युवा विकसित भारत संकल्प अभियान का आयोजन

ग्वालियर

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के माय भारत द्वारा संचालित %नशा मुक्त युवा विकसित भारत संकल्प अभियान% के तहत रविवार को ग्वालियर के लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षण संस्थान (एलएनआईपीई) में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 200 युवाओं ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का वर्चुअल उद्बोधन सामूहिक रूप से सुना और नशामुक्त भारत के निर्माण का संकल्प लिया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वर्चुअल संबोधन में कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। नशा युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा, परिवार और भविष्य को प्रभावित करता है। उन्होंने नशे के विरुद्ध समाज, परिवार, शिक्षकों और युवाओं से जनआंदोलन खड़ा करने का आह्वान करते हुए प्रत्येक नागरिक से सजग रहने की अपील की।

एलएनआईपीई में आयोजित हुए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं कुलपति एलएनआईपीई प्रो. कल्पना शर्मा ने कहा कि खेल, शिक्षा और कला युवाओं को सही दिशा प्रदान करते हैं। नशामुक्त समाज ही सशक्त राष्ट्र की

आधारशिला है। पूर्व विधायक श्री मुन्नालाल गोयल ने युवाओं से नशे से दूर रहकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला युवा अधिकारी, माय भारत केन्द्र, श्रीमती अंजली कुमारी ने की। उन्होंने कहा कि यह अभियान युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों से जोड़कर जागरूक बनाने की महत्वपूर्ण पहल है। कार्यक्रम के दौरान युवाओं ने नशे से दूर रहने, स्वस्थ एवं फिट जीवनशैली अपनाने तथा समाज में नशामुक्ति का संदेश फैलाने का संकल्प लिया। जिले के सभी विकासखंडों में भी माय भारत के युवा स्वयंसेवकों ने स्थानीय युवाओं के साथ प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा और नशामुक्त भारत का संदेश जन-जन तक पहुँचाया। अभियान के अंतर्गत एलएनआईपीई में आयोजित हुए कार्यक्रम में नशा मुक्ति विषय पर सामूहिक नृत्य, नुक्कड़ नाटक, चित्रकला, रील प्रतियोगिता, गायन, कविता एवं नारा लेखन जैसी प्रतियोगिताएँ भी आयोजित की गईं। विजेताओं को पुरस्कृत कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएँ दी गईं। कार्यक्रम का संचालन श्री मनीष जाटव ने किया तथा माय भारत के स्वयंसेवक श्री अरविंद कुशवाह ने सहयोग प्रदान किया।

ग्वालियर जिले में 15 अगस्त तक मनेगा पीएम स्वनिधि पखवाड़ा

ग्वालियर

ग्वालियर जिले में प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के तहत 1 से 15 अगस्त तक विशेष पीएम स्वनिधि पखवाड़ा मनाया जा रहा है। राज्य शासन के निर्देशानुसार संचालित इस अभियान के दौरान पात्र पथ विक्रेताओं को योजना से जोड़ने, लंबित ऋण प्रकरणों के त्वरित निराकरण, यूपीआई लिंक्ड क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराने तथा डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए विशेष शिविर, जनजागरूकता कार्यक्रम और बैंक समन्वय बैठकें आयोजित की जाएंगी। आत्मनिर्भर शहरी मध्यप्रदेश की ओर थीम पर चलाए जा रहे इस अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक पात्र पथ विक्रेताओं तक योजना का लाभ पहुंचाना और उन्हें औपचारिक वित्तीय व्यवस्था से जोड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। अभियान के दौरान नए आवेदन प्राप्त करने, पूर्व में अस्वीकृत प्रकरणों की समीक्षा, लंबित ऋण आवेदनों का शीघ्र निराकरण, स्वीकृत ऋण एवं यूपीआई लिंक्ड क्रेडिट कार्ड वितरण तथा डिजिटल लेनदेन को प्रोत्साहित करने पर विशेष जोर दिया जाएगा।

'मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान' 7 अगस्त से 8 जनवरी तक

ग्वालियर

÷मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान÷ सम्पूर्ण प्रदेश में 7 अगस्त 2026 से 8 जनवरी 2027 तक संचालित होगा। इस अभियान के तहत शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में मुख्यमंत्री, मंत्रिगण, मुख्य सचिव, राज्य शासन के अधिकारी सहित संभागीय आयुक्त, कलेक्टर एवं सभी विभागों के अधिकारी मैदानी भ्रमण कर आमजनों से संवाद करेंगे और समस्याओं का निराकरण करेंगे।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने शुक्रवार को अभियान के जिले में प्रभावी क्रियान्वयन के लिये वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर अभियान की सभी तैयारियां समय रहते पूर्ण करने के संबंध में दिशा-निर्देश दिए। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय, सीईओ जिला पंचायत श्री सोजान सिंह रावत, अपर आयुक्त नगर निगम श्री टी प्रतीक राव, अपर आयुक्त नगर निगम श्री मुनीष सिकरवार, श्री प्रदीप तोमर सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने नगर निगम आयुक्त को निर्देशित किया है कि शहरी क्षेत्र में प्रत्येक शुक्रवार को आयोजित होने वाले भ्रमण कार्यक्रम एवं संवाद कार्यक्रम की पूरी रूपरेखा तैयार करें। इसके साथ ही जिला पंचायत सीईओ को ग्रामीण क्षेत्र में आयोजित होने वाले शिविरों और जन संवाद कार्यक्रमों की तैयारी करने के दिशा-निर्देश दिए हैं।

सफलता की कहानी- ट्रेनर से जिम के मालिक बने सचिन, मुद्रा योजना से मिली उड़ान

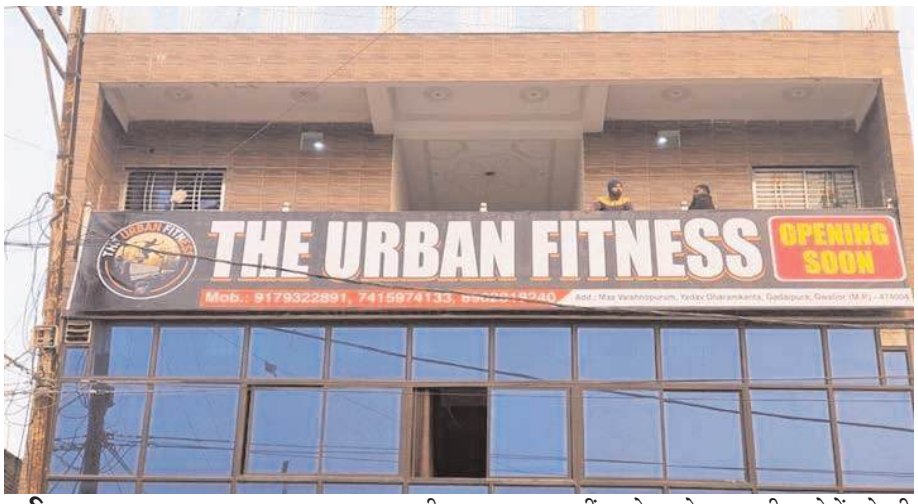

ग्वालियर

दूसरों के सपनों को साकार कराते-कराते सचिन शर्मा का अपना सपना कहीं पीछे छूट गया था। सचिन शर्मा बरसों तक एक निजी जिम में ट्रेनर रहकर दूसरों को फिट बनाते रहे, पर खुद का जिम खोलने का सपना पूंजी की कमी में दबा रहा। पर उनका सपना अब साकार हो गया है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की बदौलत उन्हें यह कामयाबी मिली है। उप नगर ग्वालियर की गंगा विहार कॉलोनी सागरताल रोड निवासी सचिन के पास हुनर था, अनुभव था व जुनून भी था। बस साथ नहीं था तो सिर्फ पैसा। यह कमी पूरी हुई प्रधानमंत्री मुद्रा योजना से। अपनी ठोस व्यवसायिक योजना और वर्षों के अनुभव को लेकर वे बैंक ऑफ बड़ौदा पहुंचे। बैंक ने उनके समर्पण पर भरोसा जताते हुए 11 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत किया। बस फिर क्या था सचिन ने चार शहर का नाका स्थित यादव धर्मशाला परिसर में अपने सपनों का जिम खड़ा कर दिया। आज वही जिम इलाके के युवाओं के लिए फिटनेस का अड्डा बन चुका है। उनके जिम से 4 से 5 स्थानीय लोगों को भी रोजगार मिल रहा है। सचिन कहते हैं मुद्रा योजना का साथ न मिलता, तो शायद यह सपना, सपना ही रह जाता। सचिन सरकार के प्रति धन्यवाद व्यक्त करते हुए अन्य युवाओं से भी आह्वान करते रहते हैं कि स्वरोजगार योजनाओं का लाभ उठाएं और आत्मनिर्भर बनें। एक ट्रेनर से उद्यमी बनने तक का सचिन का यह सफर बताता है कि जब हौसला बुलंद हो और सही सहयोग मिले, तो सीमित संसाधन भी बड़े सपनों के आड़े नहीं आते।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक राजन का आह्वान: पर्यावरण संरक्षण केवल नहीं, हर नागरिक का नैतिक दायित्व

नर्मदापुरम एसपी कार्यालय परिसर में अखिल भारतीय कायस्थ समाज ने किया पौधारोपण; तुलसी, अमरूद और गुलाब के पौधे रोपे

नर्मदापुरम।

पर्यावरण संतुलन और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अखिल भारतीय कायस्थ समाज (मातृशक्ति एवं पुरुष वर्ग) द्वारा चलाए जा रहे साप्ताहिक अभियान के तहत इस रविवार को जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय परिसर स्थित गार्डन में एक भव्य पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान परिसर में फलदार अमरूद, सौंदर्यवर्धक गुलाब के अलावा अत्यंत पवित्र और औषधीय गुणों से भरपूर तुलसी के पौधे रोपे गए।

वृक्ष हमारे जीवन का आधार, संरक्षण से ही सुरक्षित होगा भविष्य — ASP

अभिषेक राजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ASP) अभिषेक राजन ने प्रकृति और मानव जीवन के अंतर्संबंधों पर जोर दिया पेड़-पौधे केवल हमारी प्राकृतिक संपदा नहीं हैं, बल्कि यह हमारी भावी पीढ़ियों के अस्तित्व और स्वस्थ जीवन का मूल आधार हैं। आज रोपा गया एक-एक पौधा आने वाले कल के लिए शुद्ध वायु और सुरक्षित पर्यावरण का आधार स्तंभ बनेगा। पर्यावरण को बचाना केवल सरकारी तंत्र या प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह समाज के हर एक व्यक्ति का नैतिक धर्म है। मुझे अत्यंत प्रसन्नता है कि कायस्थ समाज के सदस्यों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय

परिसर को चुनकर पौधारोपण का यह सराहनीय कार्य किया है।

विशेष रूप से आज यहाँ लगाए गए तुलसी के पौधे वातावरण को शुद्ध करने के साथ-साथ हमारी सनातन संस्कृति और आरोग्य की दिशा में एक सकारात्मक कदम हैं। हिंदू धर्म में तुलसी केवल एक पौधा नहीं, बल्कि माँ का दर्जा प्राप्त पूजनीय और पावन वनस्पति है, जिसकी नित्य सेवा से घर-परिवार और समाज में सुख-समृद्धि का वास होता है। हमारी वैदिक परंपरा और शास्त्रों में तुलसी को अत्यंत पवित्र मानते हुए इसे साक्षात विष्णुप्रिया कहा गया है, जो न केवल आध्यात्मिक चेतना को जागृत करती है बल्कि दैवीय ऊर्जा का संचार भी करती है।

हिंदू संस्कृति में तुलसी पूजन और संरक्षण का विधान हमें प्रकृति से सीधा जोड़ने और पर्यावरण के प्रति धार्मिक निष्ठा उत्पन्न करने का कार्य करता है। तुलसी का पौधा वातावरण में प्राकृतिक रूप से ऑक्सीजन का संचार बढ़ाता है और औषधीय संजीवनी का कार्य करता है। हमारा लक्ष्य केवल पौधे लगाना नहीं, बल्कि उन्हें वटवृक्ष बनने तक पालना-पोसना होना चाहिए। यदि शहर का प्रत्येक नागरिक वर्ष में कम से कम एक पौधा लगाने और उसकी पूर्ण सुरक्षा की जिम्मेदारी ले ले, तो पूरा क्षेत्र हरियाली से खिल उठेगा।

आइए, हम सब मिलकर पर्यावरण संरक्षण को एक जनआंदोलन बनाएं। पौधारोपण केवल औपचारिकता नहीं, आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारा संकल्प RI स्नेहा चंदेल कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित रक्षित निरीक्षक (RI) स्नेहा चंदेल ने अपने संबोधन में कहा आज का यह पौधारोपण कार्यक्रम केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह हमारी भावी पीढ़ी के प्रति हमारी गहरी संवेदना और जिम्मेदारी का प्रतीक है। प्रकृति को एक पौधा समर्पित करना वास्तव में जीवन को नया विस्तार देने जैसा है। आज जो नन्हे पौधे हम मिट्टी में रोप रहे हैं, यही कल घने वृक्ष बनकर हमें और हमारी आने वाली नस्लों को शीतल छाया, शुद्ध ऑक्सीजन और संतुलित पर्यावरण प्रदान करेंगे। पौधे लगा देने भर से हमारी जिम्मेदारी खत्म नहीं होती; असली कार्य तो उनकी नियमित देखभाल, सिंचाई और सुरक्षा करना है। जब समाज का हर वर्ग एकजुट होकर प्रकृति के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन करेगा, तभी हम एक स्वस्थ और हरा-भरा समाज निर्मित कर पाएंगे। यही प्रकृति के प्रति हमारी सबसे सच्ची सेवा और श्रद्धांजलि होगी।सामाजिक कार्यकर्ताओं और पुलिस अधिकारियों की रही गरिमामय उपस्थिति इस पौधारोपण अभियान में पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कायस्थ समाज और शहर के प्रबुद्ध समाजसेवियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख व्यक्तित्व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक राजन, रक्षित निरीक्षक स्नेहा चंदेल, उमेश तिवारी, कमलेश डाबर, अनिकेश रोशन, धर्मेंद्र, राजेन्द्र श्रीवास्तव, अभय वर्मा, विजय वर्मा, सुनील राय, सी.बी. खरे, ऋषिकेश श्रीवास्तव, माधवदेव वर्मा, लालता प्रसाद, आदित्य गुड्डू वर्मा, प्रदीप गुप्ता, मनीष सोलंकी, राजेश रैकवार, अनिल मांझी, राजीव दुबे, अशोक राजपूत, धनराज, ज्योति वर्मा, प्रीति खरे, सुमन वर्मा, सुनीता श्रीवास्तव, ममता तिवारी, रितु श्रीवास्तव, अनीता वर्मा, आशा राजपूत, मंजुला श्रीवास्तव, राधा गुप्ता, श्याम राव पांसे एवं गुलाब यादव सहित बड़ी संख्या में पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मां नर्मदा कावड़ यात्रा को लेकर सुंदरकांड, भंडारा एवं पंपलेट विमोचन कार्यक्रम संपन्न

मंडीदीप

मां नर्मदा कावड़ यात्रा के सफल आयोजन को लेकर सुंदरकांड पाठ, भंडारे एवं यात्रा के पंपलेट विमोचन का कार्यक्रम श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं कावड़ यात्रा से जुड़े कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने यात्रा की सफलता एवं समाज में धार्मिक जागरूकता के प्रसार की कामना की। कावड़ यात्रा के आयोजक रामनिवास पाल ने जानकारी देते हुए बताया कि मां नर्मदा कावड़ यात्रा 8 अगस्त की सुबह शाहगंज से प्रारंभ होगी। यात्रा का प्रथम रात्रि विश्राम बरखेड़ा में रहेगा। इसके बाद 9 अगस्त की शाम यात्रा का भव्य प्रवेश मंडीदीप नगर में होगा।जहां श्रद्धालुओं द्वारा स्वागत किया जाएगा। यात्रा नर्वदेश्वर महादेव मंदिर में रात्रि विश्राम करेगी। उन्होंने बताया कि सोमवार प्रातः भगवान शिव के जलाभिषेक, महाआरती एवं प्रसाद वितरण के साथ यात्रा का समापन होगा। यात्रा के दौरान श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ की आराधना के साथ धार्मिक एवं सामाजिक संदेश भी देंगे।

गांव की खुशहाली और समृद्धि की कामना लेकर निकली जामसांवरी हनुमान दादा पालकी पदयात्रा

सावलमेंढा से 110 श्रद्धालु पालकी के साथ हुए रवाना, 12 वर्षों से निभाई जा रही आस्था की परंपरा

भैंसदेही

भैंसदेही विकासखंड की ग्राम पंचायत सावलमेंढा से जामसांवरी हनुमान दादा की पारंपरिक पालकी पदयात्रा रविवार को श्रद्धा और उत्साह के साथ रवाना हुई। विगत 12 वर्षों से लगातार आयोजित की जा रही इस यात्रा का उद्देश्य क्षेत्र में सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना करना है। यात्रा की शुरुआत सावलमेंढा स्थित हनुमान मंदिर से डीजे, ढोल-नगाड़ों और जयकारों के बीच हुई।

बाल संस्कार केंद्र का नियमित संचालन, बच्चों को मिल रही निःशुल्क एवं संस्कारपरक शिक्षा

मंडला

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद, जिला मंडला के जिला समन्वयक श्री सुशील बर्मन के निर्देशानुसार तथा निवास विकासखंड समन्वयक श्री सूरज बर्मन के मार्गदर्शन में नवांकुर संस्था आदिवासी जनकल्याण विकास संस्थान द्वारा सेक्टर क्रमांक 03, मोहगांव के अंतर्गत ग्राम हीरापुर में बाल संस्कार केंद्र की स्थापना कर उसका नियमित एवं सुव्यवस्थित संचालन किया जा रहा है। बाल संस्कार केंद्र के माध्यम से नर्सरी कक्षा से लेकर कक्षा 5वीं तक के बच्चों को प्रतिदिन सायंकाल 5:00 बजे से 7:00 बजे तक निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जा रही है। केंद्र का उद्देश्य बच्चों को विद्यालयीन शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों, भारतीय संस्कृति, सामाजिक दायित्वों एवं अनुशासित जीवन

के प्रति जागरूक करते हुए उनके सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करना है। बाल संस्कार केंद्र में बच्चों को शैक्षणिक शिक्षा के अतिरिक्त योग, संस्कार, सामाजिक जीवन, सामाजिक समरसता, व्यक्तित्व विकास एवं अनुशासन से संबंधित विषयों की जानकारी एवं प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। बच्चों को उनकी आयु एवं शैक्षणिक स्तर के अनुरूप सरल, सहज एवं रुचिकर पद्धति से शिक्षित किया जा रहा है, जिससे उनमें अध्ययन के प्रति रुचि एवं आत्मविश्वास का विकास हो सके। केंद्र में बच्चों को योगाभ्यास के माध्यम से शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। साथ ही सत्य, ईमानदारी, सेवा, सहयोग, स्वच्छता, बड़ों के प्रति सम्मान एवं सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे नैतिक मूल्यों की शिक्षा भी दी जा रही है। बच्चों में आपसी सहयोग, भाईचारा, समानता, सद्भाव एवं सामाजिक समरसता की भावना विकसित करने के उद्देश्य से विभिन्न रचनात्मक एवं सहभागितापूर्ण गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

पत्रकार तेजपाल को रेप केस में 10 साल की सजाः बॉम्बे हाईकोर्ट बोला- 2 हफ्ते में सरेंडर करें

पणजी

बॉम्बे हाईकोर्ट की गोवा बेंच ने गुरुवार को तहलका मैगजीन के पूर्व एडिटर-इन-चीफ तरुण तेजपाल को रेप केस में दोषी करार दिया। उन्हें 10 साल जेल की सजा सुनाई। कोर्ट ने कहा कि वे 2 हफ्ते में सरेंडर करें।

इससे पहले मई 2021 में गोवा की ट्रायल कोर्ट ने सबूतों के अभाव में तेजपाल को बरी कर दिया था। इसके बाद मामला हाईकोर्ट पहुंचा था।

मामला नवंबर 2013 का है। तहलका की महिला पत्रकार ने आरोप लगाया था कि गोवा में आयोजित थिंक फेस्ट

के दौरान 7 और 8 नवंबर की रात होटल की लिफ्ट में तरुण तेजपाल ने दो बार उनका यौन उत्पीड़न किया।

तेजपाल ने कहा- सुप्रीम कोर्ट जाएंगे

हाईकोर्ट के फैसले पर तेजपाल ने कहा, 'हम फैसले से बहुत निराश हैं। हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। कुछ लोग तहलका और राजनीतिक बदले की भावना से 13 सालों से मेरे पीछे पड़े हैं। हमने 7.5 साल ट्रायल कोर्ट में केस लड़ा और बरी हुए थे।'

हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट का फैसला क्यों पलटा

हाईकोर्ट ने माना कि ट्रायल कोर्ट ने सबूतों की बजाय घटना के बाद पीड़ित महिला के व्यवहार पर ज्यादा ध्यान दिया। साथ ही, तेजपाल के माफी मांगने वाले ई-मेल जैसे अहम सबूतों को भी सही अहमियत नहीं दी।

कोर्ट ने तेजपाल को IPC की धारा 376(2)(f), 376(2)(k), 354A और 354B के तहत दोषी माना है। ये धाराएं रेप, यौन उत्पीड़न और महिला को निर्वस्त्र करने के इरादे से हमला करने से संबंधित हैं।

ट्रायल कोर्ट ने बरी करते हुए कहा था- पर्याप्त सबूत नहीं

ट्रायल कोर्ट ने 21 मई 2021 को तेजपाल को सभी आरोपों से बरी कर दिया था। कोर्ट ने कहा था, 'अपराध साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं हैं।'

इस फैसले को गोवा सरकार ने बॉम्बे हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। सरकार का तर्क था कि निचली अदालत ने सबूतों को सही से नहीं समझा और पीड़ित की गवाही का गलत आकलन किया।

दो हज़ार लीटर से अधिक संदिग्ध देसी घी जब्त,खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, भोपाल द्वारा प्राप्त सूचना के आधार पर श्रीराम डिस्ट्रीब्यूटर्स, 58 पटेल नगर, हमीदिया रोड, भोपाल पर सघन निरीक्षण एवं जांच की कार्रवाई की गई। निरीक्षण के दौरान धौलपुर फ्रेश दानेदार देसी घी निर्माता भोले बाबा मिल्क फूड इंडस्ट्रीज (धोलपुर) प्राइवेट लिमिटेड तथा गोवर्धन प्योर काउ घी (निर्माता ङ्क पराग मिल्क फूड्स लिमिटेड की 200 मि.ली., 500 मि.ली., 1 लीटर एवं 15 किलोग्राम पैकिंग का भारी मात्रा में भंडारण पाया गया। प्रथम दृष्टया घी की गुणवत्ता संदिग्ध प्रतीत होने तथा मिलावटी घी एवं अन्य वेजिटेबल फैट की उपस्थिति की आशंका के आधार पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के अंतर्गत संपूर्ण स्टॉक को जब्त कर सुरक्षित अभिरक्षा में लिया गया। कार्रवाई के दौरान लगभग 655 किलोग्राम धौलपुर फ्रेश घी (अनुमानित बाजार मूल्य ?4,48,000) तथा 1,440 लीटर गोवर्धन घी (अनुमानित बाजार मूल्य ?8,18,000) जब्त किया गया। इस प्रकार लगभग 2,095 लीटर/किलोग्राम घी, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत ?12.66 लाख है, विभाग द्वारा जब्त किया गया। जांच के दौरान प्रस्तुत कर चालानों एवं क्रय-विक्रय अभिलेखों से यह तथ्य सामने आया कि उक्त घी इंदौर स्थित सुपर स्टॉकिस्टों सी एंड एफ एजेंटों के माध्यम से भोपाल भेजा गया था।खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा अब संपूर्ण सप्लाई चेन मनुफैक्ररर ङ्क सुपर स्टॉकिस्ट ङ्क डिस्ट्रिब्यूटर ङ्क रिटेलर की जांच प्रारंभ कर दी गई है। आवश्यक होने पर संबंधित निर्माता, सुपर स्टॉकिस्ट, परिवहनकर्ता, वितरक एवं अन्य जिम्मेदार पक्षों के विरुद्ध भी खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के अंतर्गत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। जब्त घी के विधिक नमूने राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला में विश्लेषण हेतु भेजे जा रहे हैं। प्रयोगशाला की रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि भोपाल जिले में दूध, घी, पनीर, मावा एवं अन्य दुग्ध उत्पादों के विरुद्ध विशेष जांच अभियान लगातार जारी रहेगा। मिलावट करने वालों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी तथा उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

विश्व स्तनपान सप्ताहः मां का पहला दूध अमृत समान, जन्म के छह माह तक केवल स्तनपान कराएं

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर

विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर महिला एवं बाल विकास परियोजना अनूपपुर द्वारा जनपद पंचायत बदरा में जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं तथा उनके परिवारों के बीच स्तनपान के महत्व को लेकर जन-जागरूकता बढ़ाना

कार्यक्रम का आयोजन जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती संजीत भगत के मार्गदर्शन में किया गया। इसमें परियोजना अंतर्गत सभी पर्यवेक्षक एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की।भौगोलिक संदर्भ

कार्यशाला को संबोधित करते हुए परियोजना अधिकारी सुश्री सीमा गांजू ने बताया कि 1 अगस्त से 7 अगस्त

2026 तक विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मां का पहला पीला एवं गाढ़ा दूध (कोलोस्ट्रम) शिशु के लिए अमृत के समान होता है। यह बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के साथ उसे कई गंभीर बीमारियों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए जन्म के तुरंत बाद नवजात को यह दूध अवश्य पिलाना चाहिए।

संदिग्ध अवस्था में युवक का मिला शव, मौत का कारण अज्ञात, जांच में जुटी पुलिस

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर/ कोतमा कोतमा नगर के व्यस्ततम बस स्टैंड मार्ग पर बुधवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब सड़क किनारे एक युवक का शव संदिग्ध अवस्था में पड़ा मिला। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय नागरिकों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस और नगर पालिका की टीम घटनास्थल पर पहुंची।

मृतक की पहचान अशोक चौहान (35 वर्ष), पिता भारत चौहान, निवासी जमुना कॉलोनी वार्ड क्रमांक-6, कोतमा के रूप में हुई है। पुलिस ने आवश्यक पंचनामा कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। घटना नगर के सबसे व्यस्त क्षेत्रों में से एक बस स्टैंड मार्ग पर हुई, जिसके चलते आसपास के लोगों में भय और असुरक्षा का माहौल देखा गया। घटना की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर पहुंच गए।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड, तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। **संपादक** : नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)